माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान (BSER) की बोर्ड परीक्षा के दृष्टिकोण से **'भाषा, व्याकरण एवं लिपि का परिचय'** विषय पर विस्तृत और संपूर्ण नोट्स यहाँ दिए गए हैं।

1. भाषा (Language)

परिभाषा: मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। अपने मन के भावों, विचारों और अनुभूतियों को दूसरों तक पहुँचाने और दूसरों की बातों को समझने के लिए वह जिस सार्थक माध्यम का प्रयोग करता है, उसे **भाषा** कहते हैं।

भाषा के मुख्य रूप:

1. **मौखिक भाषा:** यह भाषा का मूल और प्राचीनतम रूप है। इसमें वक्ता बोलकर संदेश देता है और श्रोता सुनकर समझता है।
    - **उदाहरण:** रेडियो समाचार, कक्षा में शिक्षक का पढ़ाना, टेलीफ़ोन पर बातचीत।
2. **लिखित भाषा:** भाषा का वह रूप जिसमें लिखकर विचार प्रकट किए जाते हैं। यह भाषा को स्थायी रूप प्रदान करती है।
    - **उदाहरण:** पाठ्यपुस्तकें, समाचार-पत्र, परीक्षा में उत्तर लिखना।

बोली और उपभाषा:

- **बोली:** किसी छोटे क्षेत्र में स्थानीय लोगों द्वारा बोली जाने वाली भाषा 'बोली' कहलाती है। इसमें साहित्य की रचना नहीं होती।
- **विभाषा/उपभाषा:** जब किसी बोली का क्षेत्र बढ़ जाता है और उसमें साहित्य लिखा जाने लगता है, तो वह उपभाषा बन जाती है (जैसे- अवधी, ब्रज)।

---

2. व्याकरण (Grammar)

परिभाषा: व्याकरण वह शास्त्र है जो हमें भाषा के **शुद्ध उच्चारण, शुद्ध लेखन और शुद्ध प्रयोग** के नियमों का ज्ञान कराता है। व्याकरण के बिना भाषा अव्यवस्थित रहती है।

व्याकरण के चार प्रमुख अंग:

1. **वर्ण विचार:** भाषा की सबसे छोटी इकाई 'वर्ण' के आकार, भेद और उच्चारण का अध्ययन।
2. **शब्द विचार:** वर्णों के मेल से बने 'शब्दों' की उत्पत्ति, प्रकार और बनावट का अध्ययन।
3. **पद विचार:** जब शब्द वाक्य में प्रयुक्त होता है तो वह 'पद' कहलाता है। इसमें संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया आदि के रूपों का अध्ययन होता है।

4. **वाक्य विचार:** शब्दों के सार्थक समूह 'वाक्य' की रचना, विराम चिह्नों के प्रयोग और वाक्य शुद्धि का अध्ययन।

---

3. लिपि (Script)

परिभाषा: मौखिक ध्वनियों को लिखित रूप में व्यक्त करने के लिए निर्धारित किए गए **लेखन-चिह्नों** को 'लिपि' कहते हैं।

देवनागरी लिपि का परिचय:

हिंदी भाषा 'देवनागरी' लिपि में लिखी जाती है। इसका उद्भव 'ब्राह्मी लिपि' से हुआ है। संस्कृत, मराठी, कोंकणी और नेपाली भाषाएँ भी इसी लिपि में लिखी जाती हैं।

देवनागरी की प्रमुख विशेषताएँ (परीक्षा हेतु महत्वपूर्ण):

- **वैज्ञानिकता:** यह पूर्णतः वैज्ञानिक है, इसमें जैसा बोला जाता है वैसा ही लिखा जाता है।
- **लेखन शैली:** यह बाईं से दाईं ओर (Left to Right) लिखी जाती है।
- **शिरोरेखा:** शब्दों के ऊपर एक सीधी रेखा खींची जाती है जिसे 'शिरोरेखा' कहते हैं।
- **स्पष्टता:** इसमें एक ध्वनि के लिए एक ही वर्ण निश्चित है (जैसे 'क' केवल एक ही प्रकार से लिखा जाएगा)।

प्रमुख भाषाओं की लिपियाँ:

- **हिंदी, संस्कृत, मराठी:** देवनागरी
- **अंग्रेजी:** रोमन
- **पंजाबी:** गुरुमुखी
- **उर्दू:** फ़ारसी (यह दाईं से बाईं ओर लिखी जाती है)